

28.3.2022

परावली देरा डुरै। वरुह मरीलां। मरीलां
मनुदरिप। बार-बार माकास लगे जल कोरु
उदरिप नही माजा। लिहाजा मरीह मरीलां
मदम हाजरी मदम देरकी में खासि की जाती है। परावली
नमक के काग होकर मरीलेवागाल में जमा हो।

LEUCO
28/3/22

